International Journal of Geology, Agriculture and Environmental Sciences
Volume – 7 Issue – 1 January-June 2019
Website: www.woarjournals.org/IJGAES *ISSN: 2348-0254*

अजमेर शहर में जनांकिकीय संरचना एवं परिवहन तंत्र का विश्लेषण

डॉ. डी. सी. डूडी, एसोसिएट प्राफेसर, भूगोल विभाग, राजकीय शाकम्भर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, साँभरलेक।
इन्द्राज बाजिया, शोद्यार्थी, भूगोल विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर।

शोध सारांश

किसी भी क्षेत्र के लिए जनसंख्या उसके जीवन के रक्त के रूप में होती है इसलिए जनसंख्या के अध्ययन के बिना क्षेत्र के किसी भी तत्व का अध्ययन सम्पूर्ण नहीं हो सकता। प्रस्तुत शोध प्रपत्र ***"अजमेर शहर में जनांकिकीय संरचना एवं परिवहन तंत्र का विश्लेषण"*** के विश्लेषण में जनसंख्या का बहुत अधिक महत्व है। प्रस्तुत शोध प्रपत्र का मुख्य उद्देश्य अजमेर शहर की जनसंख्या एवं परिवहन तंत्र का विश्लेषण करना है। इस हेतु द्वितीयक आंकड़ों की सहायता ली गई है। किसी क्षेत्र की जनसंख्या वृद्धि उस क्षेत्र की नगरीय आकारिकी को प्रभावित करती है। यहीं कारण है कि जनसंख्या वृद्धि के साथ–साथ अजमेर शहर की भू–आकृति में बदलाव तीव्र गति से बढ़ रहा है। अजमेर शहर में वर्ष 2001 में कुल जनसंख्या 485575 थी, जो वर्ष 2011 में में बढ़कर जनसंख्या 542321 हो गयी है। जिसका वितरण अजमेर शहर के सभी स्थानों में समान नही है क्योंकि जनसंख्या वितरण को उच्चावच, जलवायु, मिट्टी, धरातल, जलापूर्ति, आर्थिक संसाधन (परिवहन, खनिज), सामाजिक–सांस्कृतिक आदि कारक प्रभावित करते हैं। अजमेर शहर के पूर्वी, दक्षिणी तथा मध्यवर्ती भाग में जनसंख्या का अधिकतम भाग पाया जाता है। अजमेर शहर में नगरीय सुविधाओं के कारण सघन जनसंख्या निवास करती है। दक्षिण–पश्चिमी भाग में पहाड़ियों का सघन जाल पाये जाने के कारण जनसंख्या विरल पाई जाती है।

किसी क्षेत्र या देश का आर्थिक विकास जिस प्रकार प्राकृतिक संसाधनों से प्रभावित होता है उससे कहीं अधिक योगदान क्षेत्र के आर्थिक विकास मे जनसंख्या का होता है प्राकृतिक संसाधन निष्क्रिय होते है लेकिन मानव ही प्राकृतिक संसाधनो का उपयोग करता है जनसंख्या, श्रम, पूर्ति, कार्य क्षमता, कार्यकुशलता, साक्षरता, स्वास्थ्य आदि सभी तथ्य मानव शक्ति के रूप मे प्रभाव दिखाते है।

संकेतांक : *जनसंख्या, नगरीय आकारिकी, उच्चावच, जलवायु, मिट्टी, धरातल, जलापूर्ति, आर्थिक संसाधन, सामाजिक–सांस्कृतिक, श्रम, पूर्ति, कार्य क्षमता, कार्यकुशलता, साक्षरता, स्वास्थ्य, परिवहन, संचार, पर्यटन, यातायात।*

परिचय :

किसी भी प्रदेश के नियोजित विकास में जनसंख्या सर्वाधिक महत्वपूर्ण घटक है। जनसंख्या वृद्धि का क्षेत्र के विकास पर अत्यधिक प्रभाव पडता है। जनसंख्या वृद्धि के साथ भूमि उपयोग मे परिवर्तन आना स्वभाविक है। बढती जनसंख्या जीविकोपार्जन हेतु भूमि पर आश्रित रहती है, परिणामस्वरूप भूमि उपयोग मे परिवर्तन आता है, जो एक सतत प्रक्रिया है। इस प्रकार जनसंख्या और भूमि का अन्योन्याश्रित सम्बंध हैं। जनसंख्या में वृद्धि होने पर कृषि में सुधार आता है तकनीक तथा कृषि भूमि उपयोग परिवर्तत होता है, जिससे वह बढती हुई जनसंख्या के लिये भोजन, वस्त्र एवं उद्योगो के लिए कच्चा माल तथा अन्य आवश्यकताओ की पूर्ति कर सकें। कृषि भूमि उपयोग प्रणाली एवं कृषि तकनीक परस्पर सह–सम्बन्धित होते है। जनसंख्या मे वृद्धि होने पर कृषि भूमि का गहन उपयोग होने लगता है और तद्नुरूप तकनीकी मे परिवर्तन होने लगता है प्रबन्ध व उत्पादन के रूप मे कृषि से सम्बन्धित जनसंख्या उसके विकास का नियन्त्रक है।

अजमेर शहर में 2001 में कुल जनसंख्या 485575 थी तथा 2011 में जनसंख्या 542321 हो गयी है। जिसका वितरण अजमेर शहर के सभी स्थानों में समान नही है क्योंकि जनसंख्या वितरण को उच्चावच, जलवायु, मिट्टी, धरातल, जलापूर्ति, आर्थिक संसाधन (परिवहन, खनिज), सामाजिक–सांस्कृतिक आदि कारक प्रभावित करते हैं। अजमेर शहर के पूर्वी, दक्षिणी तथा मध्यवर्ती भाग में जनसंख्या का अधिकतम भाग पाया जाता है। अजमेर शहर में नगरीय सुविधाओं के कारण सघन

जनसंख्या निवास करती है। दक्षिण–पश्चिमी भाग में पहाड़ियों का सघन जाल पाये जाने के कारण जनसंख्या विरल पाई जाती है।

जनसंख्या वृद्धि दर

किसी क्षेत्र की जनसंख्या वृद्धि दर उस क्षेत्र की आर्थिक प्रगति सामाजिक मान्यताओं, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि आदि का प्रतिफल होती है। एक निश्चित समयावधि में किसी स्थान के निवासियों की संख्या में हुये परिवर्तन को जनसंख्या वृद्धि द्वारा व्यक्त किया जाता है। जनसंख्या वृद्धि को कुल जनसंख्या तथा प्रतिशत दोनो के द्वारा व्यक्त किया जा सकता है। प्रतिशत मूल्य ज्ञात करने के लिये निरपेक्ष वृद्धि को विगत वर्ष की जनगणना से भाग देकर 100 से गुणा कर दिया जाता है तथा वास्तविक वृद्धि दर ज्ञात करने के लिये 10 का भाग देकर ज्ञात की जाती है।

सारणी 1: अजमेर शहर में दशकीय जनसंख्या वृद्धि

वर्ष	जनसंख्या	अन्तर	जनसंख्या वृद्धि (प्रतिशत में)
1941	147258	–	–
1951	196633	49375	33.53
1961	231240	34051	17.60
1971	264291	33051	14.29
1981	375593	111302	42.11
1991	402700	27107	7.22
2001	485575	82875	20.57
2011	542321	56746	11.68

स्त्रोतः जनगणना विभाग, राजस्थान–1941 से 2011 एवं नगर नियोजन, अजमेर।

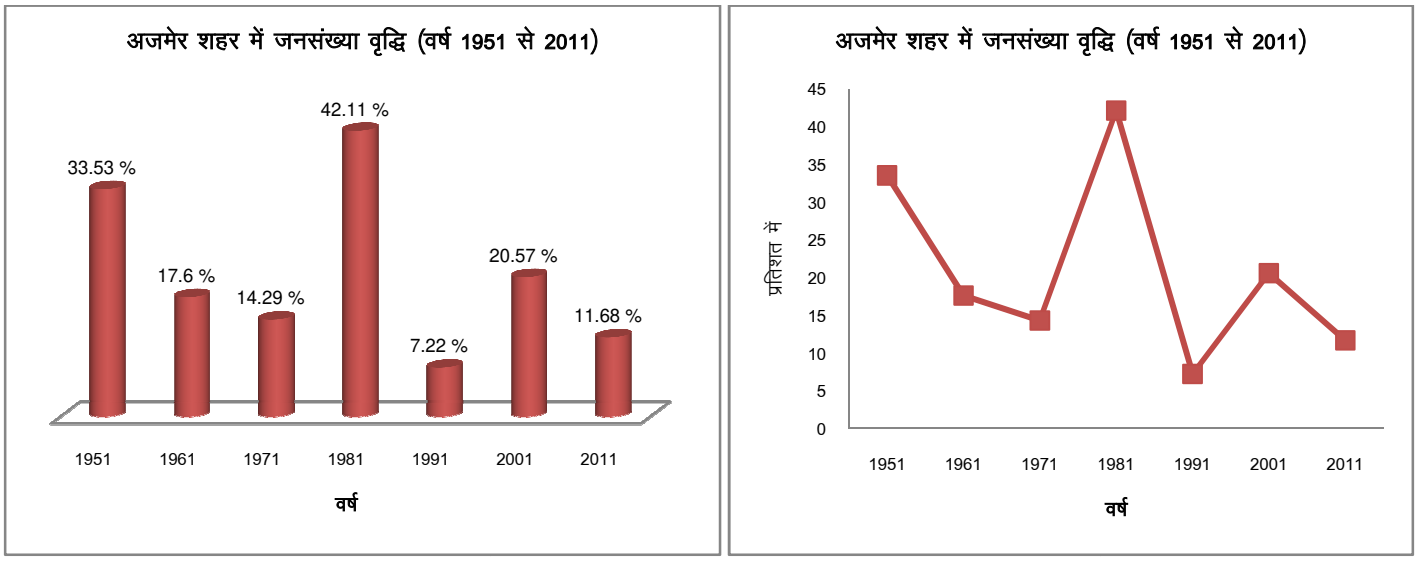

आरेख 1 : अजमेर शहर में दशकीय जनसंख्या वृद्धि

अजमेर शहर में जनसंख्या वृद्धि के अन्तर्गत वर्ष 1941 के दशक से वर्ष 2011 तक के दशक का अध्ययन किया गया है। वर्ष 1941 मे अजमेर की जनसंख्या 147258 थी जो वर्ष 1951 मे बढकर 196633 हो गई अर्थात 1941 से 1951 के दशक मे अध्ययन क्षेत्र की जनसंख्या मे 33.53 प्रतिशत की वृद्वि हुई, जो अजमेर शहर की सर्वाधिक जनसंख्या वृद्धि दर दर्ज की गई है। वर्ष 1951 से वर्ष 1961 के दशक मे क्षेत्र की जनसंख्या मे भारी गिरावट के साथ 17.61 प्रतिशत की वृद्वि हुई है।

वर्ष 1961 से 1971 के दशक मे क्षेत्र की जनसंख्या में वृद्धि कम हुई है यह वृद्धि 14.29 प्रतिशत रही है जिसमे परिवार नियोजन कार्यक्रमो की पालना का प्रभाव रहा है। वर्ष 1971 से वर्ष 1981 तक जनसंख्या वृद्धि का प्रतिशत बढ़ा है जो की 42.11 प्रतिशत रहा है। वर्ष 1981 से 1991 के मध्य यह 7.22 प्रतिशत रहा है, जो कि अब तक की सबसे कम वृद्धि अंकित की गई है जबकि वर्ष 1991 से 2001के दशक में यह वृद्धि बढ़कर 20.57 प्रतिशत हो गई।

वर्ष 2011 में पुनः यह घटकर 11.68 प्रतिशत हो गई। वर्ष 2011 में वृद्धि की दर में अचानक गिरावट में तेजी आई है, जिसका मुख्य कारण जागरूकता एवं शिक्षा का प्रचार रहा है। अतः अध्ययन से स्पष्ट है कि अजमेर शहर में जनसंख्या वृद्धि परिवर्तनशील और काफी उतार–चढ़ाव वाली रही है। संरचनात्मक सुविधाओं का विकास और उसकी गहनता से वृद्धि के साथ द्वितीयक और तृतीयक सेवाओं में वृद्धि का प्रभाव जनसंख्या वृद्धि पर हुआ है। अजमेर शहर की जनसंख्या वृद्धि दर को सारणी में दर्शाया गया है।

जनसंख्या वितरण एवं घनत्व दोनों परस्पर सम्बन्धित है लेकिन भिन्न सकंल्पनाऐं है जनसंख्या वितरण एवं घनत्व अध्ययन कि पृष्ठ भूमि से पता चलता है कि जनसंख्या भूगोल के एक स्वतंत्र शाखा के रूप में विकसित होने से पूर्व ही जनसंख्या वितरण एवं घनत्व का आपसी सम्बंध किसी भी क्षेत्र की जनसंख्या की जानकारी प्राप्त करने के लिए जनसंख्या वितरण एवं घनत्व का विश्लेषण मुख्य आधार होता है। जनसंख्या वितरण प्रारूप न केवल मनुष्य के किसी क्षेत्र विशेष में बचाव सम्बधिंत अभिरूचि एवं विरूचि का द्योतक है। अपितु क्षेत्र में कार्यरत भौगोलिक कारकों के संश्लेषण का स्पष्ट प्रदर्शक भी होता है।

मानव सभ्यता के विकास एवं उसमें आई जटिलताओं के साथ–साथ न तो जनसंख्या वितरण प्रारूप ही सरलता से मिलता है और न ही इसके वितरण का स्पष्टीकरण क्योकि वर्तमान समय में जनसंख्या वितरण बहुत अधिक क्षेत्रीय विस्तार लिये हुये है और साथ ही राजनैतिक एवं प्रशासनिक ईकाईयाँ भी बढ गई है। अब जनसंख्या वितरण एवं घनत्व का अध्ययन एक जटिल प्रक्रिया जरूर है। लेकिन जनसंख्या भूगोल वेताओं ने जनसंख्या वितरण एवं घनत्व का सफलतापूर्वक विश्लेषण किया है।

अनुसूचित जाति एवं जनजाति :

जनसंख्या वितरण किसी क्षेत्र कि जनांकिकीय विशेषताओं के अध्ययन का आधार होता है, जनसंख्या का वितरण क्षेत्रीय प्रारूप की और इशारा करता है जनसंख्या वितरण से आशय विभिन्न क्षेत्रों में लोग कितनी संख्या में निवास करते है से है। अजमेर शहर में जनसंख्या का वितरण असमान है यहाँ कही पर बहुत अधिक जनसंख्या निवास करती है तथा कही पर बहुत कम जनसंख्या निवास करती है। अजमेर शहर की जनसंख्या संरचना को सारणी में दर्शाया गया है।

सारणी संख्या – 2 : अजमेर नगर की जनसंख्या संरचना 2001–2011

श्रेणी	वर्ष 2001			वर्ष 2011		
	कुल	पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला
अनुसुचित जाति की जनसंख्या	107360	55653	51707	134281	68556	65725
प्रतिशत में	*22.10*	*21.89*	*22.34*	*24.76*	*24.61*	*24.91*
अनुसुचित जन जाति की जनसंख्या	8208	4484	3724	10358	5405	4953
प्रतिशत में	*1.69*	*1.76*	*1.60*	*1.90*	*1.94*	*1.87*
कुल जनसंख्या	485575	254164	231411	542321	278545	263776
प्रतिशत में	*100*	*52.34*	*47.66*	*100*	*51.36*	*48.64*

स्त्रोत : जिला सांख्यिकी कार्यालय 2011, अजमेर।

जिला सांख्यिकी कार्यालय 2001 के अनुसार अजमेर नगर निगम की कुल जनसंख्या 485575 थी जिनमें 254164 पुरूष तथा 231411 महिलाऐं है अर्थात् शहर की कुल जनसंख्या में 52.34 प्रतिशत पुरूष एवं 47.66 प्रतिशत महिलाऐं है। शहर की कुल जनसंख्या में अनुसूचित जाति एंव अनुसूचित जनजाति का प्रतिशत क्रमशः 22.10 प्रतिशत एवं व्यक्तियों की संख्या 107360 तथा 1.69 प्रतिशत एवं व्यक्तियों की संख्या 8208 है।

जिला सांख्यिकी कार्यालय 2011 के अनुसार निगम की कुल जनसंख्या 542321 है जिनमें 278545 पुरूष तथा 263776 महिलाऐं है अर्थात् नगर की कुल जनसंख्या में 51.36 प्रतिशत पुरूष एवं 48.64 प्रतिशत महिलाऐं है। शहर की कुल जनसंख्या में अनुसूचित जाति एंव अनुसूचित जनजाति का प्रतिशत क्रमशः 24.76 प्रतिशत (134281 व्यक्ति) तथा 1.90 प्रतिशत (10358 व्यक्ति) है।

अजमेर शहर की जनसंख्या का वितरण असमान है शहर में कहीं पर बहुत ज्यादा जनसंख्या निवास करती है तो कही पर बहुत कम जनसंख्या निवास करती है। सामान्यतः तारागढ़ पहाड़ी क्षेत्र के समीप स्थित होने के कारण शहर के उत्तरी एवं उत्तरी पूर्वी भागों में विरल एवं छितरी हुई जनसंख्या पाई जाती है, जबकि पश्चिमी एवं दक्षिणी क्षेत्र में सघन जनसंख्या पाई जाती है। आनासागर झील के आसपास भी अध्ययन क्षेत्र में सघन जनसंख्या का जमाव पाया जाता है। क्षेत्र में जनसंख्या का वितरण जल की उपलब्धता औद्योगिक विकास, परिवहन सुविधा तथा स्वास्थ्य सेवाओं के अनुरूप है।

लिंगानुपात

किसी क्षेत्र की जनसंख्या में लिगांनुपात पुरूष एवं स्त्रियों के मध्य अनुपात का सूचक यह प्रति एक हजार पुरूषो पर स्त्रियों की संख्या के रूप में अभिव्यक्त किया जाता है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार अजमेर नगर निगम का लिंगानुपात 947 हैं। किसी भी स्थान विशेष या क्षेत्र विशेष की जनसंख्या का लिगांनुपात निकालने के लिये निम्न सूत्र का प्रयोग किया जाता है।

$$\text{लिंगानुपात} = \frac{\text{स्त्रियों की संख्या}}{\text{पुरूषो की संख्या}} \times 1000$$

सारणी संख्या – 3 : अजमेर शहर का लिंगानुपात वर्ष 2001 से 2011

क्र.सं.	वर्ष	लिगांनुपात	कमी /वृद्धि (संख्या में)
1	2001	910	–
2	2011	946	36

स्त्रोत : जिला सांख्यिकी कार्यालय 2011, अजमेर।

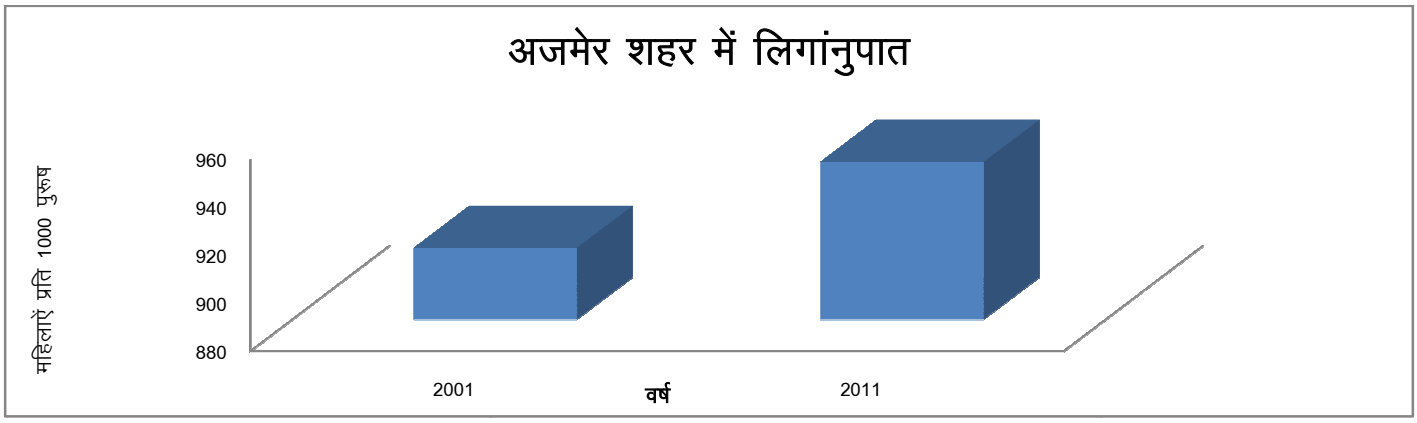

आरेख 2 : अजमेर शहर में लिंगानुपात

अध्ययन क्षेत्र में वर्ष 2001 में लिंगानुपात की दशा बहुत खराब थी लेकिन इसके बाद स्थिति में सुधार हुआ है।

व्यावसायिक संरचना

अपनी आजीविका के लिए एवं जीवनयापन के लिए प्रत्येक व्यक्ति भिन्न–भिन्न व्यवसायों एवं आर्थिक कार्यों से जुड़ा हुआ है। यह सुख पूर्वक जीवन जीने के लिए मनुष्य करता है।

तालिका 4 : अजमेर शहर में आर्थिक क्रियाकलाप (वर्ष 2011)

आर्थिक क्रियाऐं	व्यक्ति	प्रतिशत में
प्राथमिक कार्य	10443	6.97
उद्योग	37421	24.97
निर्माण	9230	6.16
व्यापार एवं वाणिज्यिक	31688	21.14
परिवहन एवं संचार	16720	11.16
अन्य	44378	29.60

स्त्रोतः जनगणना प्रतिवेदन, राजस्थान 2011 एवं नगर नियोजन, अजमेर।

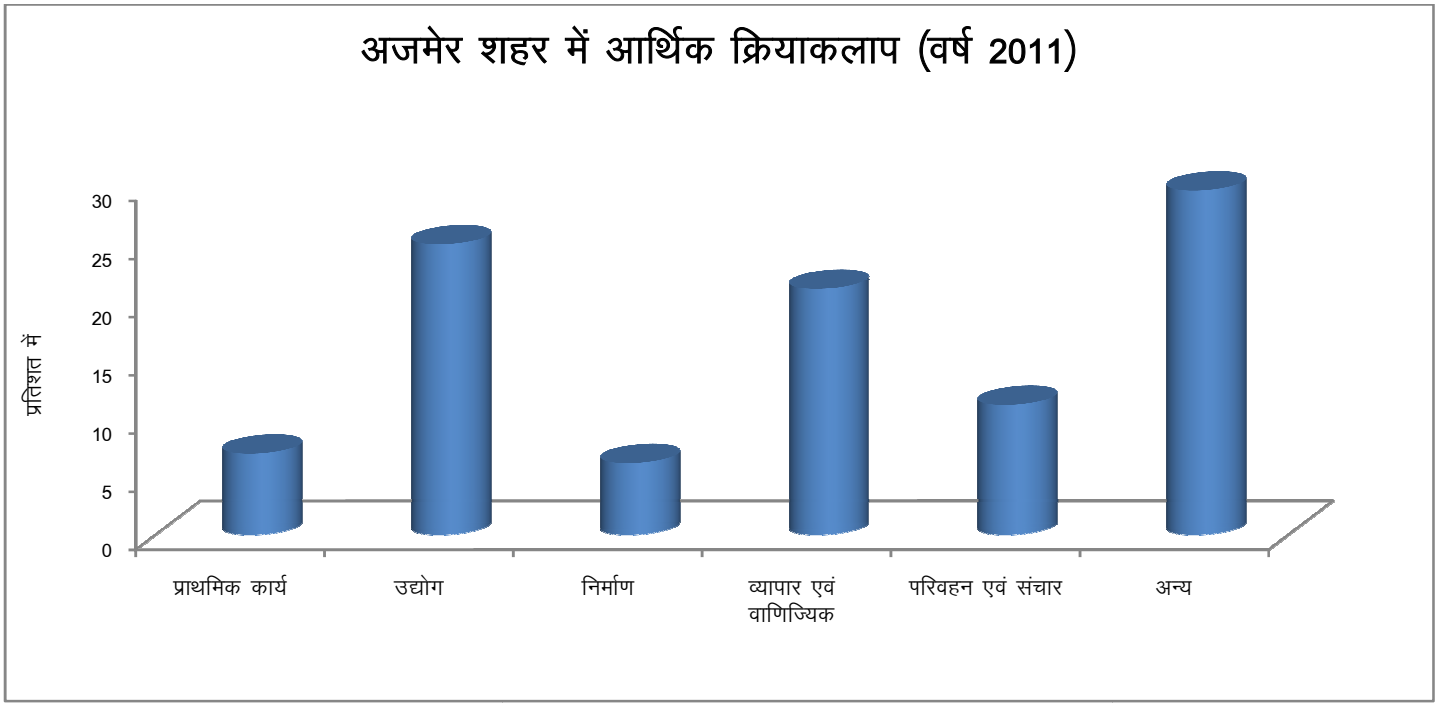

आरेख 3 : अजमेर शहर में आर्थिक क्रियाकलाप (वर्ष 2011)

तालिका के अध्ययन से स्पष्ट है कि अजमेर शहर में आर्थिक क्रियाकलापों के वितरण में अन्य आर्थिक कार्यों में संलग्न जनसंख्या का प्रतिशत 29.60 सर्वाधिक है। ये लोग अनेक व्यवसायों से जुडे होते हैं। दूसरे स्थान पर उद्योग वर्ग का है जिसमें 24.97 प्रतिशत व्यक्ति और व्यापार एवं वाणिज्यिक उद्योगों में 21.14 प्रतिशत व्यक्ति लगे हुए हैं। सबसे कम प्रतिशत रखने वाला आर्थिक क्रियाकलाप निर्माण उद्योग है जिसमें केवल 6.16 प्रतिशत व्यक्ति ही हैं। कृषि कार्यों पर आधारित उद्योगों जैसे कृषि कार्य, खनन कार्य आदि में संलग्न लोगों की संख्या भी अध्ययन क्षेत्र में कम ही है। क्षेत्र में इस श्रेणी के कामगार केवल 6.97 प्रतिशत ही हैं।

धार्मिक संरचना –

अजमेर शहर में धार्मिकता की दृष्टि से सभी धर्मों से सम्बन्धित सामाजिक संरचना के लोग मौजूद है अतः यहाँ जनसंख्या में धार्मिक संरचना की विभिन्नता पायी जाती है इस विभिन्नता के कारकों का यह प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता है क्योंकि यह हरियाणा, दिल्ली, पंजाब, उत्तर प्रदेश आदि भारत के राज्यों से जुड़ा हुआ है साथ ही यह राज्य के लगभग मध्यवर्ती भाग में अपनी भौगोलिक स्थिति रखता है। यही कारण है कि यहाँ धार्मिक संरचना में विविधता पायी जाती है। यहाँ भारत के लगभग सभी धर्मों के लोग निवास करते हैं। यहाँ पर पायी जाने वाली धार्मिक जनसंख्या संरचना का अध्ययन इस प्रकार है–

हिन्दू धर्मावलम्बी –

यह भारत की जनसंख्या के ही प्रतिशत में पाया जाता है यहाँ वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार 77.91 प्रतिशत हिन्दू धर्म के अनुयायी निवास करते हैं। मुस्लिम धर्म अनुयायियों की संख्या की दृष्टि से दूसरे स्थान पर है। यहाँ मुस्लिम धर्म के लोग लगभग 18.63 प्रतिशत पाये जाते हैं।

तालिका 5: अजमेर शहर की धार्मिक जनसंख्या संरचना (प्रतिशत में)

क्र.सं.	धर्म	संख्या	प्रतिशत 2011	दशकीय परिवर्तन
1.	हिन्दू	2373384	77.91	–3.11
2.	मुसलमान	567521	18.63	+3.1
3	सिक्ख	17787	0.58	+0.05
4.	जैन	71846	2.36	–0.17
5.	ईसाई	11076	0.36	+0.03
6.	बौद्ध	824	0.04	+0.13
7.	अन्य	3725	0.12	+0.36
8.	कुल	3046163	100	–

स्त्रोत– भारतीय जनगणना विभाग, 2011, अजमेर।

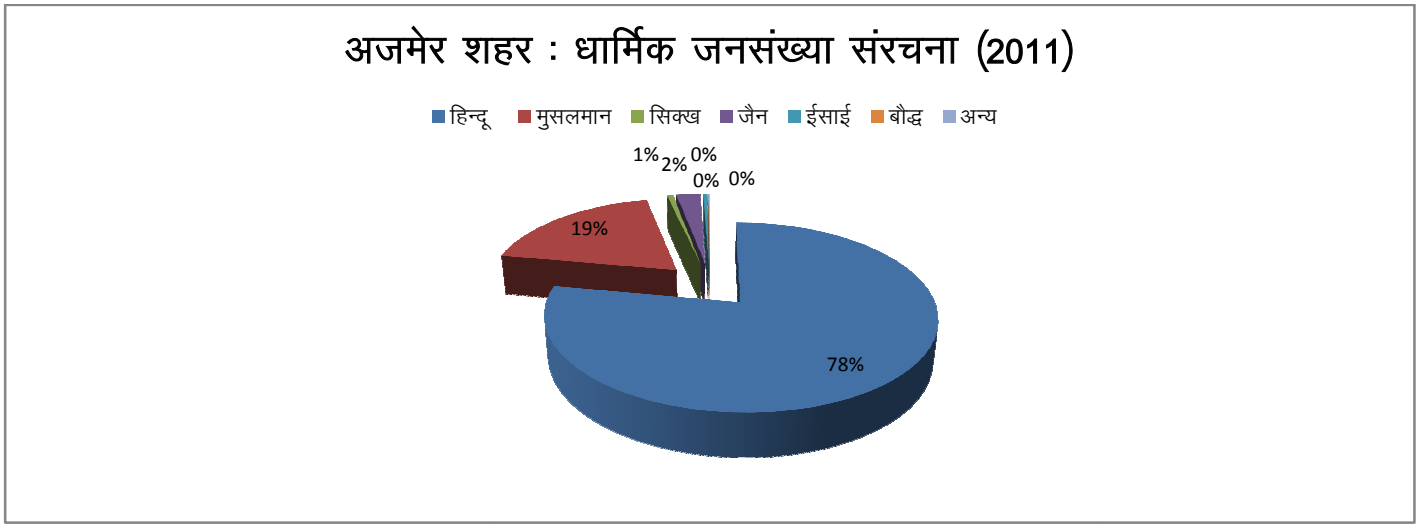

आरेख 4 : अजमेर शहर की धार्मिक जनसंख्या संरचना

अध्ययन क्षेत्र में सिक्ख धर्मावलम्बी भी निवास करते है। इस धर्म को मानने वालों का प्रतिशत अध्ययन क्षेत्र में 0.58 प्रतिशत पाया जाता है। यह तालिका द्वारा स्पष्ट है। सिक्ख धर्म का यह प्रसार पंजाब एवं दिल्ली के कारण रहा है। क्योंकि यह क्षेत्र दिल्ली एवं अलवर की धार्मिक संरचनाओं के जुड़ा हुआ है। यह शिक्षा प्रसार के कारण मामूली वृद्धि हुई है।

जैन धर्मावलम्बी धार्मिक संरचना के लोग यहाँ पर 2.36 प्रतिशत में पाये जाते हैं। अजमेर शहर में जैन समुदाय के पर्याप्त मात्रा में होने के कारण यहां पर आधारभूत सुविधाओं ने प्रभावित किया है ।

इसी प्रकार यहाँ विभिन्न धार्मिक संरचना में ईसाई 0.36 प्रतिशत, बौद्ध धार्मिक संरचना 0.04 प्रतिशत एवं अन्य 0.12 प्रतिशत पाये जाते हैं। जबकि यहाँ कुछ ऐसे व्यक्ति भी निवास करते हैं।

अतः अध्ययन से स्पष्ट है कि अध्ययन क्षेत्र में धार्मिक संरचना के अंतर्गत धार्मिक जनांकिकीय स्वरूप देखने को मिलता है। यहाँ समग्र भारत के समरूप ही धार्मिक संरचना का मॉडल पाया जाता है। जिससे यहाँ पर सामाजिक विकास एवं भूमि उपयोग परिवर्तन में योगदान मिलता है। साथ ही सभी धर्मों के स्थानीय एवं अन्तर्राज्यीय सामाजिक सम्बन्ध बने हुये है जिससे विकास में योगदान प्राप्त होता है एक विशेष सामाजिक संरचना भी भूमि उपयोग परिवर्तन के साथ जनसंख्या के दबाव में परिवर्तनशील रहती है।

साक्षरता

साक्षरता किसी भी सभ्य समाज के विकास का मापदण्ड है। साक्षर व्यक्तियो को सरकारी व गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा संचालित विकास कार्यो की जानकारी अधिक होती है। समाज का यही वर्ग किसी भी कार्यक्रम के क्रियान्वयन मे अपनी सहभागिता निभाता है। साक्षर व्यक्ति मे किसी भी कार्यक्रम के सकारात्मक व नकारात्मक पहलूओ के मूंल्याकन करने की क्षमता अधिक होती है। साक्षरता जनसंख्या की गुणत्मक विशेषता है जो किसी क्षेत्र के सामाजिक व आर्थिक विकास का एक यथार्थ व विश्वसनीय सूचक है। साक्षरता दर निम्न सूत्र के द्वारा ज्ञात की जाती है।

$$\text{साक्षरता दर} = \frac{\text{साक्षरता जनसंख्या}}{\text{सात वर्ष या उससे अधिक आयु की जनसंख्या}} \times 100$$

साक्षरता दर को प्रभावित करने वाले कारको में आर्थिक विकास का स्तर नगरीकरण, जीवन स्तर, महिलाओं की सामाजिक स्थिति, विभिन्न शैक्षणिक सुविधाओं की उपलब्धता तथा सरकारी नीतियाँ प्रमुख है। अजमेर शहर साक्षरता की दृष्टि से राज्य के अग्रणी राज्यों में है जहां साक्षरता की दिशा में अनेकोनेक सार्थक प्रयास किये गये हैं।

तालिका 6: अजमेर शहर की साक्षरता विवरण 2001–2011

क्र.सं.	साक्षरता	2001	2011	10 वर्षीय परिवर्तन
1	कुल	83.73	86.52	. 2.79
2	कुल पुरूष	90.10	92.08	. 1.98
3	कुल स्त्री	76.74	80.69	. 3.95

स्त्रोतः भारतीय जनगणना विभाग, 2001 एवं 2011, अजमेर।

वर्ष 2001 के आंकडो के आधार पर जयपुर में शहरी जनसंख्या का साक्षरता प्रतिशत 83.73 था जो वर्ष 2011 में बढ़कर 86. 52 प्रतिशत हो गया। एक दशक की अवधि में यह 2.79 प्रतिशत की वृद्धि है। यद्यपि पुरूष साक्षरता में इस दौरान ज्यादा बदलाव नहीं देखा गया, जहाँ वर्ष 2001 में पुरूष साक्षरता 90.10 प्रतिशत थी वहीं वर्ष 2011 में यह 1.98 प्रतिशत की वृद्धि लिये 92.08 प्रतिशत तक ही पहुँच पाई। जबकि महिला साक्षरता में विशेष बदलाव आया है।

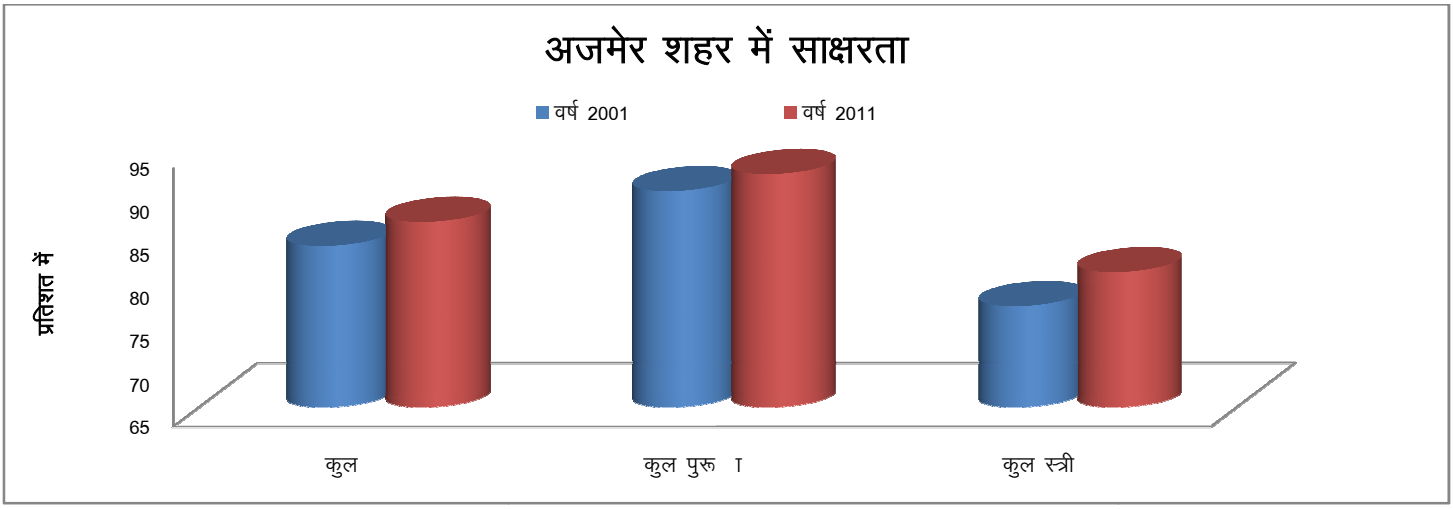

आरेख 5 : अजमेर शहर में साक्षरता

वर्ष 2001 में शहर में महिला साक्षरता 76.74 प्रतिशत थी जो बढ़कर वर्ष 2011 में 80.69 हो गई। 10 वर्षों के दौरान इसमें 3. 95 प्रतिशत वृद्धि अंकित की गई है। हालांकि यह पुरूष साक्षरता से अभी काफी पीछे है लेकिन महिलाओं की साक्षरता को बढ़ावा देने हेतु शहर में काफी सम्भावनाओं का विकास किया जा रहा है।

परिवहन एवं संचार

यह नगर रेल, सड़क व वायुमार्गों से जुडा हुआ है। यह उत्तर पूर्व में जयपुर, पूर्व में टोंक, पश्चिम में पाली तथा दक्षिण में भीलवाड़ा से सम्पर्क में है। अजमेर शहर दिल्ली–अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 8 पर स्थित है। मेड़ता–बीकानेर जाने वाला राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 89 भी यहाँ से निकलता है, जिसका यहाँ से इन्दौर वाया भीलवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 79 द्वारा सीधा सम्पर्क है। कई राज्य राजमार्ग, प्रान्तीय व जिला स्तरीय सड़क मार्ग, ग्रामीण सम्पर्क सड़क मार्ग, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क आदि भी नगर को विभिन दूसरे शहरों व कस्बों से जोड़ते हैं। वर्तमान समय में यह नगर ब्रोडगेज, मीटर गेज व नैरो गेज रेलवे मार्गों के माध्यम से दूसरे बडे शहरों से सम्पर्क में है। यह नगर जयपुर–सवाई माधोपुर ब्रोडगेज रेलवे लाइन द्वारा महत्वपूर्ण रेलवे मार्ग मुम्बई लगभग 1200 किमी. पर जुडा हुआ है। वायुमार्ग की दृष्टि से भी यह नगर देश विदेश के विभिन्न नगरों व शहरों से जुडा है।

सन् 2001 और 2011 के प्रति सौ वर्ग किलोमीटर लम्बाई के आँकड़ों से पता चलता है कि इसमें मात्रात्मक व गुणात्मक रूप से 2001 की तुलना में 2011 में वृद्धि हुई। अजमेर जिले में प्रति सौ वर्गकिलोमीटर पर 31.04 किलोमीटर सड़कें थीं जो 2011 में बढ़कर प्रति सौ किलोमीटर पर 44.32 किलोमीटर हो गई है। इसका मुख्य कारण राजस्थान राज्य की ह्रदय नगर के परिणामस्वरूप महत्त्वपूर्ण वृद्धि है। इस प्रकार से सरकार के द्वारा लोगों की आधारभूत संरचनाओं के मुख्यतः ग्रामीण सड़कों में उच्च निवेश किया गया है।

नगर में यातायात की समस्या बड़ी गम्भीर है। वर्तमान में अजमेर में कचहरी रोड एवं स्टेशन रोड मुख्य सड़के है। इन पर यातायात के दबाव को कम करने के लिए पाल बीचला टैंक के पास से एक सड़क प्रस्तावित की गई है। इसके अतिरिक्त पुराने राजस्थान लोक सेवा आयोग भवन से मार्टिन्डल ब्रिज तक ऐलिवेटेड रोड बनाये जाने पर भी विचार किया जा रहा है। जयपुर–ब्यावर रोड एवं फॉयसागर, आनासागर व स्टेशन रोड पर यातायात का दबाव कम करने के लिए लिंक रोड अथवा सम्पर्क सड़कों की आवश्यकता है। इसके समाधान हेतु नाग पहाड़ के नीचे भी एक सड़क प्रस्तावित की गई है। ब्यावर रोड

को आदर्श नगर से जोड़ने के लिए नारीशाला–सुभाषनगर मार्ग को चौड़ा करने का प्रस्ताव है। पुष्कर रोड पर घाटी वाले बालाजी मन्दिर मार्ग पर यातायात का दबाव कम करने के लिए लव–कुश उद्यान के पास से उप मार्ग भी बनाया गया है।
अजमेर में भारी यातायात के दबाव को करने के लिए किशनगढ़ के पास जयपुर–ब्यावर बाईपास राष्ट्रीय उच्च राजमार्ग 8 को 200 फीट चौड़ा रखा गया है। इससे ब्यावर की ओर जाने वाले भारी वाहन शहर के बाहर से ही निकल जाते हैं। जयपुर–पुष्कर बाईपास मार्ग भी 200 फीट चौड़ा प्रस्तावित किया गया है, इससे क्षेत्रीय यातायात बिना अजमेर में प्रवेश किये बाहरी भाग से निकल जायेगा। अजमेर मास्टर डवलपमेंट प्लान में प्रस्तावित 120, 160 एवं 200 फीट चौड़ी सड़कों में सर्विस रोड का प्रावधान किया जाना होगा। जिससे सड़कों के किनारे संचालित गतिविधियों के कारण यातायात में सुगमता बनी रहें।

रेल सेवा :

रेलमार्ग परिवहन के क्षेत्र में एक अनुपम देन है। भौगोलिक दृष्टि से रेलमार्ग न केवल सामान और व्यक्तियों को लाने ले जाने का साधन है वरन् इससे सामाजिक, सास्कृतिक एवं आर्थिक जुड़ाव का आदान–प्रदान भी होता है। यद्यपि रेलमार्ग का निर्माण सड़क मार्ग की अपेक्षा अधिक खर्चीला, व्यय प्रधान एवं निर्माण की दृष्टि से अधिक कठिनाइयों से भरा हुआ है किन्तु फिर भी इसकी क्षमतायें, विशेषतायें तथा गति विशिष्ट होती हैं। रेलमार्ग द्वारा एक साथ हजारों आदमी तथा हजारों टन सामान द्रुतगति से एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुँचाया जा सकता है। अतः यह प्राकृतिक आपदा, राष्ट्रीय आपदा, आपातकाल, युद्धकाल, अकाल, महामारी जैसी प्रतिकूल परिस्थितियों में सड़क परिवहन की अपेक्षा अधिक लाभकारी, भरोसेमन्द एवं प्रभावशाली साबित होती है।
अजमेर शहर रेलवे का जंक्शन है। बड़ी रेल लाईन के होने से यह जयपुर, दिल्ली, अहमदाबाद, रतलाम व उदयपुर के रेलमार्ग से सीधा जुड़ा है। रेलवे में हाल ही में अजमेर को रेलवे लाईन द्वारा पुष्कर से जोड दिया गया है। इससे पर्यटन के विशेष अवसर पैदा होंगे। इसके अतिरिक्त आदर्श नगर और दौराई के रेलवे स्टेशन को विकसित कर अधिक उपयोगी बनाया जाना प्रस्तावित है। शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए निम्न स्थानों पर रेल लाईन के ऊपर से पुल प्रस्तावित किये गये हैं।

1. मदार रेलवे स्टेशन के पास प्रस्तावित रोड पर।
2. फ्रेजर रोड रेलवे क्रासिंग पर।
3. नारीशाला रोड, ब्यावर रेलवे लाईन पर।
4. नसीराबाद रोड, रेलवे क्रासिंग पर।
5. एच.एम.टी. फैक्ट्री के सामने प्रस्तावित सड़क पर।
6. दौराई रेलवे स्टेशन के पास प्रस्तावित सड़क पर।
7. कृषि अनुसंधान केन्द्र के सामने प्रस्तावित सड़क पर।

हाल ही में किशनगढ़ में छोटे विमानो के लिए एक हवाई पट्टी बनाई गई है।

हवाई सेवा :

राज्य सरकार द्वारा उक्त स्थल पर शीघ्र ही राष्ट्रीय स्तर पर हवाई अड्डा बनाये जाने का कार्य प्रगति पर है। इसके अलावा जयपुर रोड पर भी एक हैलीपैड पहले से ही कार्यरत है। इन सुविधाओं के अमल में आने से पर्यटन गतिविधियों को बल मिलेगा।

निष्कर्ष:

वर्ष 1931 से 2011 की जनगणना तक के समय में अध्ययन क्षेत्र की जनसंख्या में सकारात्मक वृद्धि अंकित की गई है। यद्यपि जनसंख्या वृद्धि दर पर काफी सीमा तक अंकुश लगा लिया है। जहाँ वर्ष 2001 में जनसंख्या वृद्धि दर 20.57 प्रतिशत थी, वहीं वर्ष 2011 में यह घटकर लगभग आधी हो गई अर्थात् वर्ष 2011 में अजमेर शहर में जनसंख्या वृद्धि दर

मात्र 11.68 प्रतिशत ही हो गई। लिंगानुपात विगत वर्षों की तुलना में बढ़कर 947 स्त्रियाँ प्रति 1000 पुरूष हो गई है। जनसंख्या घनत्व भी दिनों दिन बढ़ता जा रहा है। आधारभूत सुविधाओं के उच्च विकास के कारण साक्षरता दर में परिवर्तन शहर में देखा गया है। विशेषकर महिलाओं की शिक्षा में अभूतपूर्व परिवर्तन हुआ है। वर्ष 2011 में अजमेर शहर की सकल साक्षरता 86.52 प्रतिशत दर्ज की गई है।

सन्दर्भः

1. जिला गजेटियर, जिला अजमेर (2002)।
2. जिला सांख्यिकीय रूपरेखा, जिला अजमेर (2004)।
3. जिला सांख्यिकीय रूपरेखा, जिला अजमेर (2015)।
4. जिला सांख्यिकीय रूपरेखा, जिला अजमेर (2016)।
5. जनगणना रिपोर्ट, भारतीय जनगणना विभाग, 1991–2011, जिला अजमेर।
6. मौसम विभाग रिपोर्ट (2014), अजमेर।
7. मौसम विज्ञान केन्द्र, जोधपुर (2014)।
8. कार्यालय, अजमेर नगर निगम, अजमेर।
9. अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर।
10. डॉ. भल्ला, एल.आर. (2003) : राजस्थान का भूगोल, कुलदीप पब्लिशिंग हाउस, जयपुर, पृ. 68।